



Council of Scientific & Industrial Research
www.csir.res.in

सी.एस.आई.आर. - सी.डी.आर.आई. समाचार-पत्र



CSIR - Central Drug Research Institute, Lucknow
www.cdriindia.org

निदेशक की कलम से



सी एसआईआर-सीडीआरआई समाचार पत्र के वर्तमान अंक को आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार प्रसन्नता हो रही है। समाचार पत्र के आगामी पृष्ठों में पिछले 6 महीनों के दौरान इस संस्थान के क्रियाकलापों और उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत है। मुझे यह कहते हुए हर्ष है कि संस्थान सौंपे गये दायित्वों को पूरा करने के लिये सभी क्षेत्रों में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। मधुमेहरोधी कैंन्डीडेट ड्रग सीडीआरआई 134एफ194 के प्रथम चरण के क्लीनिकल परीक्षण हेतु भारत के औषधि महानियंत्रक की अनुमति प्राप्त हो चुकी है जिसका अध्ययन हमारे मुम्बई केन्द्र पर शीघ्र प्रारम्भ होने जा रहा है। मलेरियारोधी कैंन्डीडेट ड्रग 97-98 के प्रथम चरण के क्लीनिकल अध्ययन पीजीआई, चण्डीगढ़ में प्रारंभ किये जा चुके हैं। पिछले 6 महीनों के दौरान बहुत से अन्य संस्थान स्वास्थ्य तथा औषधि निर्माण के क्षेत्र में सहयोगात्मक अनुसंधान के लिये हमसे जुड़े हैं। वर्ष 2011 में अब तक अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल्स में 180 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं जिनमें 91 प्रकाशनों में 3 से अधिक इम्पैक्ट फैक्टर है। आईपीआर हेतु कठोर नीति का पालन करते हुए वर्ष 2011 में हमने भारत में 15 और विदेशों में 4 पेटेण्ट हेतु आवेदन किया और हमें 2 भारतीय और 3 विदेशी पेटेण्ट प्रदान किये गये। यह हमारी अपने लक्ष्य के लिये प्रतिबद्धता के साथ-साथ समाज के प्रति दायित्व भी प्रदर्शित करता है। हमारे वैज्ञानिकों और शोध छात्रों ने प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त करके अपनी उत्कृष्टता का प्रमाण दिया जिसमें सीआरएसआई मेडल और युवा वैज्ञानिक पुरस्कार सम्मिलित है। मैं सबको बधाई देता हूँ।

जुलाई 15, 2011 को डॉ. विनोद भाकुनी के असामयिक निधन का समाचार देते हुए मुझे अत्यधिक दुःख हो रहा है, जिन्होंने प्रोटीन केमिस्ट्री के क्षेत्र में अति विशिष्ट योगदान दिया। उनके कार्यों को अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया जिनमें प्रतिष्ठित भटनागर पुरस्कार और तीन इण्डियन साइंस एकेडमी पुरस्कार शामिल हैं। उनके अचानक निधन से संस्थान को बहुत बड़ी क्षति हुई है।

हमारी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक, ओएसडीडी केमिस्ट्री आउटरीच प्रोग्राम सीएसआईआर के महानिदेशक द्वारा अनुमोदित किया जा चुका है। एक अन्य परियोजना ओएसडीडी मलेरिया को सक्षम अधिकारियों का सिद्धांततः अनुमोदन प्राप्त हो चुका है। सीएसआईआर-सीडीआरआई उपर्युक्त दोनों परियोजनाओं के लिये नोडल लैब का कार्य करेगी। मैं उपर्युक्त दोनों परियोजनाओं में शोधकर्ताओं की बड़ी संख्या में भागीदारी और भारी सफलता की आशा करता हूँ। सितम्बर 5, 2011 को ऐतिहासिक एसीएसआईआर विधेयक लोकसभा द्वारा पास कर दिया गया जिसने सीएसआईआर को अपने छात्रों को पोस्टग्रेजुएट और डॉक्टरल डिग्री प्रदान करने के लिये अधिकृत कर दिया। यह एक अच्छी शुरुआत है। अभी भी हमको समाज पर अपनी छाप और भावी पीढ़ी के लिये पदचिह्न छोड़ने हैं और इसके लिये एक लम्बा रास्ता तय करना है।

मैं संस्थान के समस्त स्टाफ के प्रति संस्थान की प्रगतिशील कार्य प्रक्रिया में समर्पित और एकनिष्ठ योगदान के लिये हार्दिक धन्यवाद और आभार व्यक्त करता हूँ और आगे भी निरन्तर सहयोग की अपेक्षा करता हूँ।

शुभकामनाओं सहित,

जुषार चक्रवर्ती
(तुषार कान्ति चक्रवर्ती)

ओएसडीडी केमिस्ट्री आउटरीच कार्यक्रम

सीएसआईआर-सीडीआरआई की एक पहल

केमिस्ट्री के अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष के अवसर पर सी एस आई आर ने ओपन सोर्स ड्रग डिस्कवरी (ओ एस डी डी) कार्य का शुभारम्भ किया है। यह कार्यक्रम संपूर्ण देश में विश्वविद्यालयों/संस्थानों के एम एस सी और पी एच डी छात्रों द्वारा ओपन केमिकल लाइब्रेरी बनाने के लिये प्रारम्भ किया गया है। ओपन सोर्स ड्रग डिस्कवरी कार्यक्रम के अन्तर्गत बहुत बड़ी संख्या में आरगैनिक कम्पाउंड को संश्लेषित करके विभिन्न संक्रामक बीमारियों की जांच की जाएगी।

परियोजना के उद्देश्य :

- आरगैनिक केमिस्ट्री में विशेषज्ञता प्राप्त कर रहे एम.एस.सी. छात्रों को बड़ी संख्या में प्रयोगात्मक प्रशिक्षण प्रदान करना।
- विभिन्न विश्वविद्यालयों आईआईटी, आईआईएसआईआर और अन्य शैक्षणिक संस्थानों को सम्मिलित करना
- सीएसआईआर अपनी कुछ प्रयोगशालाओं में ओएसडीडी आउटरीच सेन्टर की स्थापना करने जा रहा है जैसे- सीएसआईआर- सीडीआरआई (लखनऊ), सीएसआईआर-एनईआईएसटी (जोरहाट), सीएसआईआर-एनआईआईएसटी (त्रिवेन्द्रम) सीएसआईआर-एनसीएल (पुणे) सीएसआईआर-आईआईआईएम (जम्मू)
- इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयों के विभागों को नजदीक के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में, जहां कोई सुविधा नहीं है इन कार्यों को करने के लिये विनिर्दिष्ट किया गया है।
- बने हुए कम्पाउण्ड्स को जांच और संग्रह हेतु रिपॉसिटरी को भेजना।

कार्यक्रम के विस्तृत विवरण और पंजीकरण के लिये वेबसाइट

<http://crdd.osdd.net/syncdb/index.html>

OPEN SOURCE DRUG DISCOVERY

SyncDB: An OSDD Chemical Database

Home About Us Help Contact

OSDD CHEMICAL DATABASE

SyncDB is OSDD's open molecule repository of all synthesized, extracted, semi synthesized and virtual molecules. This compound repository is aimed to have, known, as well as new chemical entities that is to be synthesized by researchers of various institutes. Well characterized molecules will be taken up by OSDD for screening anti tuberculosis and anti malarial properties and lead generation.

OSDD Member Login

Become an OSDD Member Register

AFFORDABLE HEALTHCARE IS THE RIGHT OF ALL

समाचार पत्र द्वारा

वै.ओ.अ.प.-केन्द्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान

(वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद)

छत्तर मंजिल पैलेस, एम.जी. मार्ग, लखनऊ - 226 001

फोन : 0522-2612411-18 (PABX)

फैक्स : 91-522-2623405/2623938/2629504

वेबसाइट : www.cdriindia.org



विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में योगदान

विकास की उन्नत अवस्था में कैंडीडेट ड्रग्स

| रोग / विकृतियां | कैंडीडेट ड्रग्स | प्रभावोत्पादकता | क्लीनिकल स्थिति | लाइसेंस प्राप्तकर्ता और सहयोगी |
|---------------------------|------------------------|-------------------------------|---|----------------------------------|
| लीवर विकृति | पिक्रोलिव | यकृतक्षी | तृतीय चरण के क्लीनिकल परीक्षण सीएसएसएमयू, लखनऊ और सेट जीएस मेडिकल कॉलेज और के.ई.एम. हॉस्पिटल मुंबई में पूर्ण हो चुके हैं। | डीआईएल, मुंबई |
| डिस्टिलपिडिमिया | 80-574 एटॉरवैसटैटिन | एन्टीडिस्टिलपिडेमिक (वसाराधी) | तृतीय चरण का क्लीनिकल परीक्षण बढ़ाया | कैडिला फार्मा लि, अहमदाबाद |
| मलेरिया | 97-98 | मलेरियारोधी | प्रथम चरण का एकल खुराक क्लीनिकल अध्ययन पूर्ण हो चुका है। स्वस्थ स्वच्छिक कार्यकर्ताओं में एकल खुराक औषधि प्रभाव गति अध्ययन प्रारंभ हो चुका है। | इफ्का लेबोरेटरी, मुंबई |
| मधुमेह | सीडीआर134 डी123 | एन्टीहाइपर ग्लाइसिमिक | प्रथम चरण के एकल तथा बहु-खुराक अध्ययन पूर्ण हो चुके हैं। आयुष से विपन्न अनुमति प्राप्त करने के लिये एक्स्ट्रा आयुर्वेदिक फार्माकोपोइया के जाइलोकैरपस ग्रेनेटम को शीघ्र सम्मिलित करने के लिए सीडीआरएस को प्रस्तुत करने हेतु आयुर्वेदिक फार्माकोपोइया ऑफ इण्डिया स्पेसिफिकेशन के अनुसार एकत्र किया जा रहा है। | टीवीसी स्काई शॉप लि., मुंबई |
| मधुमेह और डिस्टिलपिडिमिया | सीडीआर134 एफ194 | एन्टीहाइपर ग्लाइसिमिक | मई 2011 में प्रथम चरण के क्लीनिकल परीक्षण आयोजित करने की अनुमति भारत के औषधि नियंत्रक से प्राप्त हो गयी और उसके लिये तैयारियां प्रारंभ की जा चुकी हैं। | टीवीसी स्काई शॉप लि., मुंबई |
| अस्थिसुषुरता | 99-373 | अस्थिसुषुरतारोधी | भारत के औषधि नियंत्रक द्वारा प्रथम चरण के क्लीनिकल परीक्षण की योजना और प्रोटोकॉल का अनुमोदन किया जा चुका है। | एमडीआरआई से बातचीत प्रगति पर है। |
| मलेरिया | 99-411 | मलेरियारोधी | आईएनडी प्रस्तुतीकरण हेतु प्री क्लीनिकल आकड़े एकत्र किये जा रहे हैं। | इफ्का लेबोरेटरी, मुंबई |
| स्ट्रोक | हर्बल औषधि | स्नायुरक्षी | अंतिम आईएनडी डायग्नोसिस तैयार करने के लिये थैमिस मेडिकेयर से प्राप्त आईएनडी ड्राफ्ट सीडीआरआई में पुनरीक्षण हेतु। | थैमिस मेडिकेयर लि., मुंबई |

शक्तिशाली नई लीड्स

| रोग / विकृतियां | लीड | प्रभावोत्पादकता | स्थिति | लाइसेंस प्राप्तकर्ता एवं सहयोगी |
|----------------------------|---------------------|-----------------------------------|--|---|
| अस्थिसुषुरता | सीडीआर1020 एफ147 | सर्वोत्तम अस्थि स्वास्थ्य | अपेक्षित प्री-क्लीनिकल विकास पूर्ण, क्लीनिकल परीक्षण हेतु अनुमोदन प्रगति पर। | |
| अस्थिसुषुरता | एस-007-1500 | फ्रैक्चर हीलिंग | मुख द्वारा चूहों और चूहियों में और आईएम मार्ग द्वारा चूहों में एकल खुराक विषालुता अध्ययन में कम्पाउण्ड सुरक्षित पाया गया। एक वर्ष का स्थिरता अध्ययन पूर्ण। | लाइसेंस हेतु |
| अस्थिसुषुरता | सीडीआर 914 के058 | ओस्टियोजेनिक | जन्तु मॉडल के प्रभावोत्पादक निर्धारित कम्पाउंड का संश्लेषण प्रगति पर है। | बातचीत जारी |
| थॉम्बोसिस | एस-007-867 | एन्टीथ्रॉम्बोटिक | मुख द्वारा चूहों और चूहियों में और आईएम मार्ग द्वारा चूहों में एकल खुराक विषालुता अध्ययन में कम्पाउंड सुरक्षित पाया गया। | लाइसेंस हेतु |
| | एस002-333 | एन्टीथ्रॉम्बोटिक | मुख द्वारा चूहों में एकल खुराक विषालुता अध्ययन में कम्पाउण्ड सुरक्षित पाया गया। | लाइसेंस हेतु |
| मधुमेह एवं डिस्टिलपिडिमिया | सीडीआर267 एफ018 | एन्टीडिस्टिलपिडेमिक | रीसस बंदर में 28 दिनों का पुनरावृत्ति खुराक अध्ययन : 250 मि.ग्रा./कि.ग्रा. पीओ तक की खुराक में विशेष विषालु प्रभाव नहीं देखा गया। | लाइसेंस हेतु |
| गर्भ निरोधक | एस-010-1255 | शुक्राणुनाशी तथा एण्टीट्राइकोमोनल | नोनोंक्स-9 की तुलना में उच्चतर सुरक्षा मानकों पर स्थापित सक्रियता आधारित शक्तिशाली शुक्राणुनाशी और एण्टीट्राइकोमोनल सक्रिय (मेट्रोनाइडजोज ससेप्टिवल और रेजिसटैन्ट स्ट्रेन्स दोनों के विरुद्ध)। | लाइसेंस हेतु |
| कैंसर | एस-009-131 | कैंसर रोधी | गर्भाशय ग्रीवा कैंसर ग्रस्त चूहियों में अध्ययन के अनुसार औषधि ऐंज़ियामाइसिन की अपेक्षा सक्रियता बेहतर है। | लाइसेंस हेतु |
| क्षय | एस-006-830 | क्षयरुधी | Mtb H37Rv के लिए MIC<3 µg/ml इन विट्रो और एक्स वीवो में प्रभावोत्पादकता निर्धारित, बड़े पैमाने का संश्लेषण पूर्ण हो चुका है। शुद्ध कम्पाउण्ड गुणवत्ता नियंत्रण विश्लेषण प्रगति पर। | ओएसडीडी कार्यक्रम के अन्तर्गत विकसित हो रही है। |

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में योगदान

1. **आशाजनक ओस्ट्रियोजेनिक कार्य सहित भारतीय औषधीय पादप से एक नवीन क्वेर्सटीन एनालॉग का क्लीनिकल मूल्यांकन** (शरन के., मिश्रा जे.एस., स्वर्णकार जी. सिद्दीकी जे.ए., खान के., कुमार आर., रावत पी., मौर्य आर., सान्याल एस., चट्टोपाध्याय एन., **जे बोन माइनर रेस**, 2011 जून, 2 डीओआई; 1000/जे. बी.एम.आर.434 आई.एफ.7056)

6-सी-बी-डी-ग्लूकोपाइरैनोसिल-(2एस,3एस)-(+)-3',4',5,7-टेट्रा-हाइड्रॉक्सीजलेवेनॉल (जीटीडीएफ) एक नवीन लोवोनॉल-सी ग्लूकोसाइड जो अलमस वैलीचियाना के सत से पृथक किया गया। उसका OVx चूहों पर नॉन एस्ट्रोजेनिक बोन स्पेरिंग प्रभाव था। ओस्ट्रियोब्लास्ट कार्यप्रणाली पर जीटीडीएफ का प्रभाव और उसके कार्य के तरीके और जीवों ओस्ट्रियोजेनिक प्रभाव का अध्ययन किया गया। जीटीडीएफ ने ओस्ट्रियोब्लास्ट प्रकलनन उसके जीवित रहने और विभेदीकरण को उद्दीप्त किया किंतु अस्थिभंजन (ओस्ट्रियोकलास्टिक) अथवा वसामयता (एंडियोसाइटिक) विभेदीकरण पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। कल्चर्ड ओस्ट्रियोब्लास्ट में जीटीडीएफ ने एरिल हाइड्रोकार्बन रिसेप्टर (एएचआर) को ट्रांसएक्टिवेट किया। एएचआर की सक्रियता ने ओस्ट्रियोब्लास्ट प्रकलन और विभेदीकरण पर जीटीडीएफ के उद्दीपक प्रभाव की मध्यस्थता की। इसके अतिरिक्त जीटीडीएफ, सीएएमपी उत्पादन को उद्दीप्त करता है जो कि ओस्ट्रियोजेनिक जीन एक्सप्रेशन की मध्यस्थता करता है साथ ही आँकड़ों से पता चला जीटीडीएफ ओस्ट्रियोब्लास्ट वृद्धि और विभेदन को एएचआर के द्वारा उद्दीप्त करता है और मॉडलिंग निर्देशित बोन एक्रुअल को प्रोन्नत करता है। क्षतिग्रस्त अस्थि को तेजी से स्वस्थ करता है और ओस्ट्रियोप्रोजेनिटर्स पर प्रत्यक्ष उद्दीपक प्रभाव द्वारा ओस्ट्रियोजेनिक चूहों पर एनाबोलिक प्रभाव डालने का प्रयत्न करता है। इन प्री-क्लीनिकल आँकड़ों के आधार पर शक्तिशाली ओस्ट्रियो-एनाबोलिक अभिकर्मक के रूप में जीटीडीएफ का क्लीनिकल मूल्यांकन प्रमाणित है।

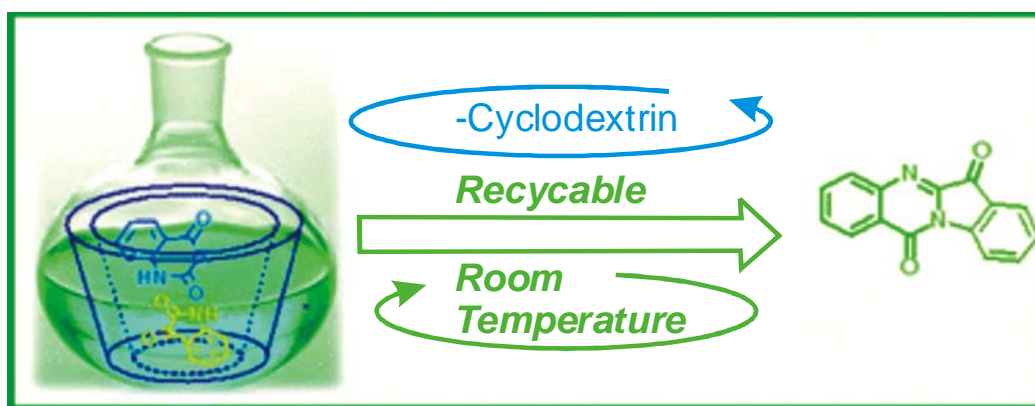
2. **केवीएपी चैनल से व्युत्पन्न एक संश्लेषित खण्ड एस6 स्वयं संगठित, लिपिड वेसिकल्स में पारगम्य होकर बाइलेयर लिपिड मेम्ब्रेन में आयन चैनल सक्रियता को प्रदर्शित करता है** (वर्मा आर., मलिक सी., आजमी एस. श्रीवास्तव एस., घोष जे.के., **जे. बायो केम.** 2011; 286 (28):24828-41, आई.एफ. 5328)

केवीएपी आर्केयॉन एरोपाइन पर्निक्स से प्रत्येक मोनोमर में छः ट्रांसमेम्ब्रेन (एस1-एस6) खण्डों सहित वोल्टेज गेटेड टेट्रापेटिक K(+) चैनल है। वर्तमान अन्वेषण का उद्देश्य एस6 खण्ड की भूमिका को समझना है जो केवीएपी चैनल के कार्यात्मक लक्षण और मेम्ब्रेन असेम्बली की अन्तः स्तर की रचना के लिये प्रस्तावित किया गया है। इस उद्देश्य के लिये केवीएपी (एमिनो एसिड 218-239) खण्ड के समान 22 अवशेष पेप्टाइड और हाइड्रोफोबिक अमीनों एसिड के पुनर्व्यवस्थापन सहित एक स्कैम्बलड पेप्टाइड को संरचनात्मक और कार्यात्मक रूप से उसकी रचना को अपरिवर्तित, संश्लेषित और लक्षणांकित किया गया। यद्यपि दोनों पेप्टाइड निषेधात्मक रूप से चार्ज फॉस्फेटाइडिलकोलीन/फॉस्फेटाइडिलग्लिसरॉल मॉडल मेम्ब्रेन से तुलनात्मक समानता से आबद्ध थे, इन पेप्टाइड में उनके स्थान निर्धारण, स्वयं संयोजन और समुच्चय गुण धर्म में इस मेम्ब्रेन पर महत्वपूर्ण भेद भी अवलोकित किये गये। एस6-एससीआर ने एडीएस कणपुंज और फॉस्फेटाइडिलकोलीन/फॉस्फेटाइडिलग्लिसरॉल लिपिड पुटिका में एस6 पेप्टाइड की अपेक्षा घटी हुई हेलिकल संरचना को प्रदर्शित किया। इसके अतिरिक्त एस6 पेप्टाइड ने महत्वपूर्ण मेम्ब्रेन पारगम्य क्षमता प्रदर्शित की जैसा कि कैलसीन में फँसी हुई लिपिड पुटिका से कैलसीन रिलीज होने से प्रकट हुआ, जबकि एस6-एससीआर ने काफी कम प्रभावोत्पादकता का प्रदर्शन किया। यद्यपि एस6 पेप्टाइड ने वही अमीनो एसिड रचना होने के बाद भी बाइलेयर लिपिड मेम्ब्रेन में आयन चैनल सक्रियता का प्रदर्शन किया, एस6-एससीआर निष्क्रिय रहा। चयनित एस-6 खण्ड संभावित रूप से महत्वपूर्ण संरचनात्मक तत्व है जो मेम्ब्रेन परस्पर क्रिया मेम्ब्रेन असेम्बली और केवीएपी चैनल के कार्यात्मक गुणधर्म में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर सकता है। परिणामों ने एस-6 वाइल्ड टाइप पेप्टाइड के सीक्वेंस स्पेसफिक संरचनात्मक और कार्यात्मक गुणधर्म को प्रदर्शित किया।



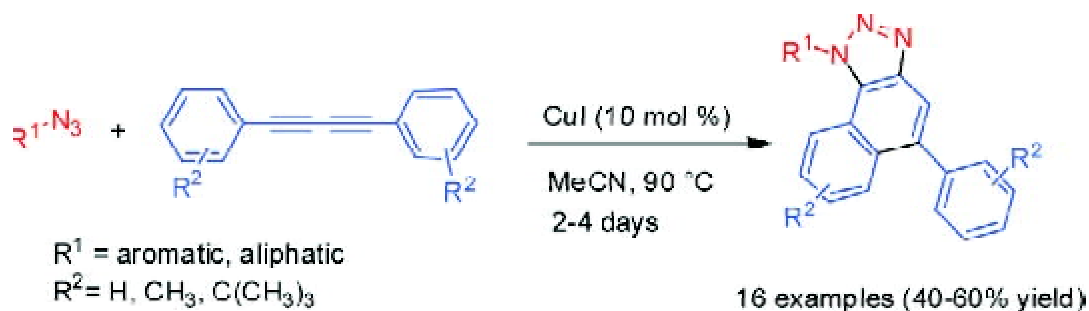
3. पानी में ट्रिपटैनथ्रिन का बी-साइक्लोडेक्सट्रिन उत्प्रेरित संश्लेषण (कुमार ए., त्रिपाठी बी.डी. और कुमार पी., ग्रीन कैमिस्ट्री 2011, 13 (1): 51-54 आईएफ5472)

आईज़ेटोइक ऐनहाइड्राइड और आइसैटिन से रूम टेम्परेचर पर ऐक्वस मीडिया में उत्प्रेरक के रूप में बीटा- साइक्लोडेक्सट्रिन का उपयोग करके ट्रिपटैनथ्रिन के संश्लेषण हेतु एक कुशल एवं ग्रीन विधि विकसित की गयी है। रिएक्शन को मृदु दशाओं (माइल्ड कण्डीशन्स) में संपन्न किया गया जिससे जैविक रूप से सक्रिय प्राकृतिक उत्पाद ट्रिपटैनथ्रिन की उत्तम उपलब्धि हो सके।



4. एज़ाइड्स से आंतरिक 1,3-डाइयून्स की अद्वितीय ब्र-कैटेलाइज्ड कपलिंग: 1,3-डाइपोलर साइक्लोऐडिशन और कार्बोसाइक्लोजेशन से निर्मित नैफथॉट्राइऐजोल्स सहित वन पॉट टैन्डम साइक्लाइजेशन (मन्डडपु ए.के., शर्मा एस. के., गुप्ता एस., कृष्णा डी.जी., कुण्डू बी., ऑर्गेनिक लेटर्स 2011; 13(12)3162-5 आईएफ 5,250)

इन्टरनल 1,4-डाइसब्सटीट्यूटेड 1,3-डाइयून्स और ऑर्गेनिक एज़ाइड्स की मेटल उत्प्रेरित कपलिंग से होकर ट्राइऐजोलऐथ्यूलेटेड पॉलीहेट्रोसाइकिल्स के संश्लेषण हेतु एक वन पॉट प्रोटोकॉल का वर्णन किया गया है। रिएक्शन हेतु यांत्रिक तर्काधार ताम्र उत्प्रेरित साइक्लोऐडिशन और 6-एनडोकार्बोसाइक्लाइजेशन रिएक्शन सहित टैन्डम साइक्लाइजेशन का प्रस्ताव करता है। कैसकेड साइक्लाइजेशन संतोषजनक उपलब्धियों में नैपथॉल 1,2-डी, ट्राइऐजोल्स प्रस्तुत करने के लिए आण्विक जटिलता में वृद्धि की ओर ले जाता है। ऐरोमैटिक/ऐलिफैटिक एज़ाइड्स आंतरिक 1,3-डाइयून्स की श्रृंखला का प्रयोग करके इस विधि की व्यापकता प्रदर्शित की गयी।



व्यापार विकास गतिविधियां

संस्थान ने राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों और उद्योगों से संपर्क स्थापित करके व्यापार विकास के अवसरों को तलाशा जिससे व्यापार विकास की प्रारम्भिक अवस्था में और अधिक सार्वजनिक-व्यक्तिगत भागीदारी स्थापित की जा सके और नयी लीड्स के लिये सहयोग लिया जा सके। रिपोर्टिंग अवधि के दौरान प्रारम्भ किये गये प्रमुख अनुबन्ध/कार्य इस प्रकार हैं—

| विवरण | ग्राहक/सहयोगी | अनुबन्ध पर हस्ताक्षर करने की तिथि |
|--|---|-----------------------------------|
| प्रायोजित परियोजना अनुबन्ध | | |
| चूहों में मुख द्वारा एकल खुराक 14 दिनों की विषालुता अध्ययन का प्रयोग करके एमए305 फॉर्मूलेशन के विषालुता अध्ययन की जाँच करना। | महर्षि आयुर्वेद प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा | 26.06.2011 |
| अनुबन्ध ज्ञापन | | |
| स्वस्थ पुरुष स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं में α/β आर्टीथर, एक मलेरियारोधी अभिकर्मक की औषधि प्रभाव गति पर सल्फाडॉक्सिन-पिरीमिथामाइन साथ-साथ लेने का प्रभाव | छत्रपति शाहूजी महाराज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ | 19.04.2011 |
| पूर्व उपचारित जन्तुओं में न्यूरो बिहेवियरल मानकों को रिकार्ड करना। | इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद | 11.07.2011 |
| दो चयनित चिकित्सीय पौधों से मधुमेहरोधी द्वितीयक चयापचयकों का पृथक्करण और लक्षण वर्णन | छत्रपति शाहूजी महाराज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ | 02.08.2011 |
| सामग्री हस्तांतरण | | |
| सामग्री – ऐन्टीसेरा रिकगनाइजिंग एन-6 मिथाइलऐडेनाइन | न्यू इंग्लैण्ड बायोलैब्स इंक 240 कन्ट्री इप्सविच एमए 01938-2723 | 10.06.2011 |
| सामग्री – एआर423 स्ट्रेन | नैशनल यूनिवर्सिटी कॉरपोरेशन, कुमामोटो, यूनिवर्सिटी, जापान | 05.07.2011 |
| ग्रीन फ्लोरोसेन्ट प्रोटीन (जीएफपी) <i>लीशमानिया जोनोवनी</i> DD8 स्ट्रेन | हांग कांग पॉलिटैक्निक यूनिवर्सिटी, हांग कांग | 09.08.2011 |
| गोपनीय प्रकटीकरण अनुबन्ध | | |
| पादप-4744 के पादपसत्व ने नॉन-एस्ट्रोजेनिक ओस्ट्रियोजेनिक विधि द्वारा अस्थिरक्षी सक्रियता प्रदर्शित की। | अर्जुन नैच्युरल एक्सट्रैक्ट्स लिमिटेड, कोच्चि, केरल | 10.05.2011 |
| लीड अणु-93/478, ने आशाजनक इश्चेमिकरोधी (अरक्ततारोधी) हृदयरक्षी और हाइपरटेन्सिव (अतिरक्तदाबरोधी) सक्रियता प्रदर्शित की। | लाइला फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, तमिलनाडु | 25.07.2011 |

प्रारम्भ की गयी परियोजनाएं

सहायता अनुदान परियोजनाएं

1 सक्सटीट्यूटेड बीटा-प्रोलीन आधारित पेप्टाइड्स कनफार्मेशनल अध्ययन और जैविक मूल्यांकन की गौण संरचना और कन्फर्मेशनल बिहेवियर की इलेक्ट्रॉनिक संरचना सिद्धांत आधारित जाँच,

यह एक संयुक्त सहयोगात्मक परियोजना है जिसमें सीएसआईआर-सीडीआरआई, लखनऊ और आइआईआईटी, हैदराबाद के शोधकर्ता सम्मिलित हैं। नया प्लेटलेट रोधी अणु विकसित करने के लिए एक महत्वपूर्ण/आकर्षक रणनीति के रूप में यह परियोजना नवीन बीटा-प्रोलीन का प्रयोग करके पेप्टाइड बनाने के लिये है। भिन्न प्रकार से प्रारंभ करके और जहाँ आवश्यक हो क्यूएम/एमएम विधियों का प्रयोग करके सैद्धांतिक तरीकों द्वारा संरचना की जांच की जाएगी। संरचना की जांच प्रयोगात्मक रूप से की जाएगी और कुछ पेप्टाइड कोलेजन मध्यस्थता वाले प्लेटलेट उत्प्रेरण के संदमन हेतु मूल्यांकित किये जाएंगे।

प्रधान अन्वेषक : डॉ. टी.के. चक्रवर्ती, निदेशक, सीएसआईआर-सीडीआरआई एवं डॉ. आर.एस. अम्पापति, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सैफ प्रभाग

निधि प्रदाता एजेन्सी : डीएसटी

अनुमोदित बजट : रुपये 55.00 लाख
(सीएसआईआर-सीडीआरआई का अंश रुपये 21.02 लाख)



2 मेटाबोलिक सिन्ड्रोम में ऐडिपोकाइन और केमोकाइन जीन पॉलिमॉर्फिज़म और उसके प्रोटीन एक्सप्रेशन का प्रभाव

यह एक संयुक्त सहयोगात्मक परियोजना है जिसमें सीएसएमएमयू, लखनऊ, सीएसआईआर-सीडीआरआई लखनऊ और ईएसआई हॉस्पिटल, लखनऊ अनुसंधानकर्ता के रूप में शामिल हैं यह परियोजना मेटाबोलिक सिन्ड्रोम के अनुवांशिक रिस्क फैक्टर की खोज के लिये है। इस अध्ययन में एक केस कंट्रोल आधार में कैन्डीडेट आधारित अप्रोच ऐडिपोकाइन और केमोकाइन जीन पॉलिमॉर्फिज़म और उनके परिसंचरित स्तर का विश्लेषण किया जाएगा। यह परियोजना मेटाबोलिक सिन्ड्रोम की संभावना के मूल्यांकन हेतु जेनेटिक मार्क्स को चिन्हित करने के लिये अपेक्षित है। यह न केवल बीमारी के जोखिम की भविष्यवाणी में सहायता करेगी बल्कि भविष्य में विशिष्ट रूप से लक्षित औषधि की रचना में संभावित रूप से सहायक होगी।



प्रधान अन्वेषक : डॉ. अशीम घटक, मुख्य वैज्ञानिक, क्लीनिकल एवं प्रयोगात्मक औषधि प्रभाग तथा डॉ. रितुराज कोनवर, वैज्ञानिक अंतःस्रावी विज्ञान प्रभाग

निधिप्रदाता एजेन्सी : आईसीएमआर

अनुमोदित बजट : रुपये 5.47 लाख (प्रथम वार्षिक अनुदान, सीएसआईआर-सीडीआरआई का अंश)



3 लीशमैनिया डोनोवनी के न्यूक्लियोजोमल हिस्टोन प्रोटीन : विसरल लीशमैनिया के विरुद्ध वैक्सिन लक्ष्य के रूप में उसके संभाव्य हेतु आण्विक और इम्यूनो जैव रासायनिक लक्षणों का

प्रस्तावित अध्ययन लीशमैनिया डोनोवनी के न्यूक्लियोजोमल हिस्टोन प्रोटीन के इम्यूनोलॉजिकल और मॉलीक्यूलर लक्षणों का, उनकी अवस्था की विशेष अभिव्यक्ति और उनके प्रयोगात्मक विसरल लीशमैनिया के विस्तृत रोगनिरोधक संभावना के विश्लेषण हेतु निर्दिष्ट है।

प्रधान अन्वेषक : डॉ. अनुराधा दुबे, मुख्य वैज्ञानिक परजीवी विज्ञान प्रभाग,

निधिप्रदाता एजेन्सी : आईसीएमआर

अनुमोदित बजट : रुपये 16.39 लाख
(प्रथम वार्षिक अनुदान)



4 निम्न मॉलीक्यूलर बेट हेपारिन्ज जो ऐन्टीथ्रॉम्बिक एजेन्ट के रूप में प्रयोग किये जाते हैं, को उत्पन्न करने के लिए माइक्रोबियल हेपारिनेजेज़ का उत्पादन

प्रस्तावित अध्ययन नए माइक्रोआरगैनिज़म द्वारा नवीन शक्तिशाली हेपारिनेजेज़ उत्पन्न करने/ऑप्टिमाइज़ करने के लिये है। इस परियोजना में हेपारिनेजेज़ उत्पन्न करने वाले माइक्रोब्स को पृथक करने के लिये जाँच, ऐन्टीथ्रॉम्बिक क्रियाकलाप के ऑप्टिमाइज़ेशन शोधन, लक्षण वर्णन और मूल्यांकन सम्मिलित हैं। अन्वेषकों को अपेक्षित परिणाम में प्रौद्योगिकी विकास और व्यवसायीकरण की पर्याप्त सामर्थ्य है।

प्रधान अन्वेषक : डॉ. सी.के.एम. त्रिपाठी, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, किण्वन प्रौद्योगिकी प्रभाग (फरमेन्टेशन टेक्नोलॉजी)

निधि प्रदाता एजेन्सी : यूपीसीएसटी

अनुमोदित बजट : रुपये 5.36 लाख



5 माइकोबैक्टीरिया के फीस्ट/फैमाइन रेगुलेटरी प्रोटीन का क्रिस्टल संरचनात्मक और जैव रसायनिक अध्ययन

इस परियोजना का उद्देश्य Mtb जीनोम द्वारा ट्रांसक्रिप्शनल कन्ट्रोल के आण्विक पक्षों को समझने के लिए क्रिस्टल संरचनात्मक, अनुवांशिक, जैव रसायनिक और कम्प्यूटेशनल तकनीक के संयोजन का प्रयोग करना है जो पैथोजन के पात्रे/जीवें अस्तित्वरक्षा के लिये अनिवार्य पाया गया है। इसके अतिरिक्त इस परियोजना का उद्देश्य उपर्युक्त प्रोटीन की क्रिस्टल संरचना को उपयुक्त लिगेन्ड के साथ/बगैर सुलझाना है। विशिष्ट डीएनए सीक्वेंस के साथ अन्योन्य क्रिया का परीक्षण करना है और नवीन छोटे अणुओं को आभासी जांच के माध्यम से चिह्नित करना है जिसका प्रयोग कार्यात्मक प्रोब के लिए किया जा सकता है।

प्रधान अन्वेषक : डॉ. रविशंकर आर., प्रधान वैज्ञानिक, आण्विक एवं संरचनात्मक जीव विज्ञान प्रभाग (मॉलीक्युलर एण्ड स्ट्रक्चरल बायोलॉजी)



निधि प्रदाता एजेन्सी : डीबीटी

अनुमोदित बजट : रुपये 9.00 लाख

6 डीएसई-37 [एस.एस''-{डाइसल्फेनडायल्बी बी (पाइरो लिडाइनो प्रोपेन-2, 1-डाइल)-बिस-(पिपरीडाइनोथायोकार्बामेट)] का वैजाइनल गर्भनिरोधक के रूप में पूर्व क्लीनिकल परीक्षण

हाल में सीएसआईआर-सीडीआरआई ने नॉन डिटर्जेंट शुक्रनाशी कम्पाउन्ड्स की नई सिरीज़ की खोज की जिसने कार्बोथायोइल एसिड डाइसल्फाइड ईस्टर (डीएसई) नॉनोक्ज़ाइनॉल-9 और अत्यधिक चयनात्मक शुक्रनाशी सक्रियता द्वारा अपेक्षित केवल 4% सान्द्रता पर 100% मानव शुक्रणों को नष्ट करने की अत्यधिक शक्तिशाली शुक्राणुनाशी क्रिया प्रदर्शित की। इस परियोजना के अन्तर्गत सक्रिय घटक के रूप में डीएसई के साथ उपर्युक्त फॉर्म्युलेशन का प्रयोग करके एक उपयुक्त कम्पाउन्ड की पात्रे (मानव शुक्राणु) और जीवे (खरगोश मॉडल) गर्भ निरोधक प्रभावोत्पादकता स्थापित करना प्रस्तावित है।

प्रधान अन्वेषक : डॉ. गोपाल गुप्ता, प्रधान वैज्ञानिक, अन्तःस्रावी विज्ञान (इण्डोक्राइनोलॉजी) प्रभाग



निधि प्रदाता एजेन्सी : आईसीएमआर

अनुमोदित बजट : रुपये 8.936 लाख

7 पश्चिमी घाट के स्थानीय वर्ग के वेरोनिया के पौधों से मलेरिया रोधी तत्व

यह सीएसआईआर-सीडीआरआई लखनऊ और सीएसआईआर-एनसीएल, पुणे के शोधकर्ताओं की संयुक्त सहयोगात्मक परियोजना है। इस परियोजना का लक्ष्य वेरोनिका प्रजाति के पौधों से जैव सक्रिय तत्व का पृथक्करण और लक्षणांकन, मलेरियारोधी सक्रियता हेतु जांच और सक्रिय कम्पाउन्ड्स का आप्टिमाइजेशन हेतु संरचनात्मक संशोधन सक्रिय तत्वों की कार्य प्रक्रिया के अध्ययन के प्रयास किये जायेंगे।

प्रधान अन्वेषक : डॉ. कुमकुम श्रीवास्तव, प्रधान वैज्ञानिक, परजीवी विज्ञान प्रभाग



निधि प्रदाता एजेन्सी : डीएसटी

अनुमोदित बजट : 6.26 लाख

(सीएसआईआर-सीडीआरआई का अंश)

8 सेप्टिक शॉक के प्रबन्धन हेतु डिलीवरी पद्धति, लिपोपॉलिसैक्राइड (एलपीएस), न्यूट्रलाइजेशन और डिटॉक्सीफिकेशन की ओर यौक्तिक दृष्टिकोण,

सेप्सिस संक्रमण के प्रति किसी रोगी के रोग प्रतिरक्षा अनुक्रिया के कारण क्लीनिकल अवस्थाओं का स्पेक्ट्रम है जो दैनिक शोध और स्कन्दन द्वारा लक्षणांकित है। यह योजना कैटायनिसिटी और हाइड्रोफोबिसिटी की निश्चित डिग्री सहित लक्ष्योन्मुख डिलीवरी पद्धति का विकास करने के लिये है जो मैक्रोफेज़ के उद्दीपन को कम करने के लिये और आगे विषालुता की क्रमिक घटनाओं को रोकने के लिये एलपीएस से अन्योन्य क्रिया कर सके।

प्रधान अन्वेषक : डॉ. पी.आर. मिश्रा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, औषधि निर्माण प्रभाग (फार्मास्यूटिक्स)



निधि प्रदाता एजेन्सी : आईसीएमआर

अनुमोदित बजट : रुपये 15.00 लाख

9 पूर्वोत्तर भारत के कुछ चुने हुए औषधीय पौधों से मधुमेहरोधी औषधि का पृथक्करण पहचान, लक्षण वर्णन और जैव सक्रिय आमापन: मधुमेह के उपचार हेतु अभियान

यह सीएसआईआर-सीडीआरआई, लखनऊ और लाइफ साइंस एवं बायोइन्फार्मेटिक्स विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिल्चर, असम,



की एक संयुक्त सहयोगात्मक परियोजना है। यह परियोजना पूर्वोत्तर भारत के पारंपरिक औषधीय पौधों का उपयोग करके उनकी कार्य की आण्विक प्रक्रिया को पूरे सामंजस्य के साथ पेटेन्टबल क्वालिटी को हाइपोग्लाइसिमिक उत्पाद को विकसित करने के लक्ष्य पर आधारित है।

प्रधान अन्वेषक : डॉ. ए.एन. गायकवाड़, वैज्ञानिक, औषधि लक्ष्य, खोज एवं विकास (डीटीडीडी) प्रभाग



निधि प्रदाता एजेन्सी : डीबीटी

अनुमोदित बजट : रुपये 22.25 लाख
(सीएसआईआर-सीडीआरआई का अंश)

उद्योग प्रायोजित परियोजनाएं

10 चूहों में मुख मार्ग से एकल खुराक 14 दिनों की विषालुता अध्ययन का प्रयोग करके एमए 305 फारमुलेशन के विषालुता अध्ययन की जाँच,

प्रायोजित परियोजना के अंतर्गत महर्षि आयुर्वेद प्रोडक्ट्स लि., नोएडा द्वारा अनुमोदित प्रोटोकॉल के अन्तर्गत सीएसआईआर-सीडीआरआई को चूहों में मुख द्वारा एक खुराक 14 दिनों के विषालुता अध्ययन का प्रयोग करके एमए 305 फॉर्म्युलेशन के विषालुता अध्ययन प्रारंभ करना है।

प्रधान अन्वेषक : डॉ. शरद शर्मा, वैज्ञानिक, विष विज्ञान (टॉक्सिकॉलोजी) प्रभाग



निधि प्रदाता एजेन्सी : मे. महर्षि आयुर्वेद प्रॉडक्ट्स प्राइवेट लि., नोएडा

अनुमोदित बजट : रुपये 3.00 लाख

जन्तु प्रयोगशाला प्रभाग में नई सुविधाएं/मॉडल्स

एसएचआर चूहा (विशिष्ट हाइपरटेन्सिव चूहा): सीवीसी, ऐन्टीहाइपरटेन्सिव तथा कन्जेस्टिव हार्ट फेलियर अध्ययन हेतु रोग विशिष्ट जन्तु मॉडल।



ऐनिमल जेनेटिक मॉनीटरिंग लैब

सी57बीएल/6 चुहिया: ट्रांसजेनेसिस हेतु बैकग्राउण्ड स्ट्रेन कार्डियोवैस्कुलर और ऑडियोजेनिक सीज़र अध्ययन में उपयोग



ऐनिमल हेल्थ मॉनीटरिंग लैब



ओपेन सोर्स ड्रग डिस्कवरी फॉर मलेरिया

(सीएसआईआर-सीडीआरआई समन्वयक प्रयोगशाला के रूप में)

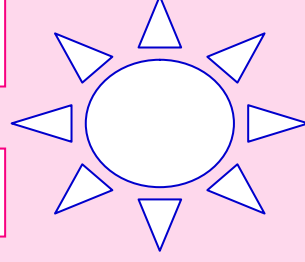
वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद
(सीएसआईआर), भारत

अनुसंधान संस्थान (भारत)

अनुसंधान सहभागी (अन्य देश)

विश्वविद्यालय और कॉलेजों के
शोधकर्ता/छात्र (भारत)

कम्पनियाँ/सीआरओ



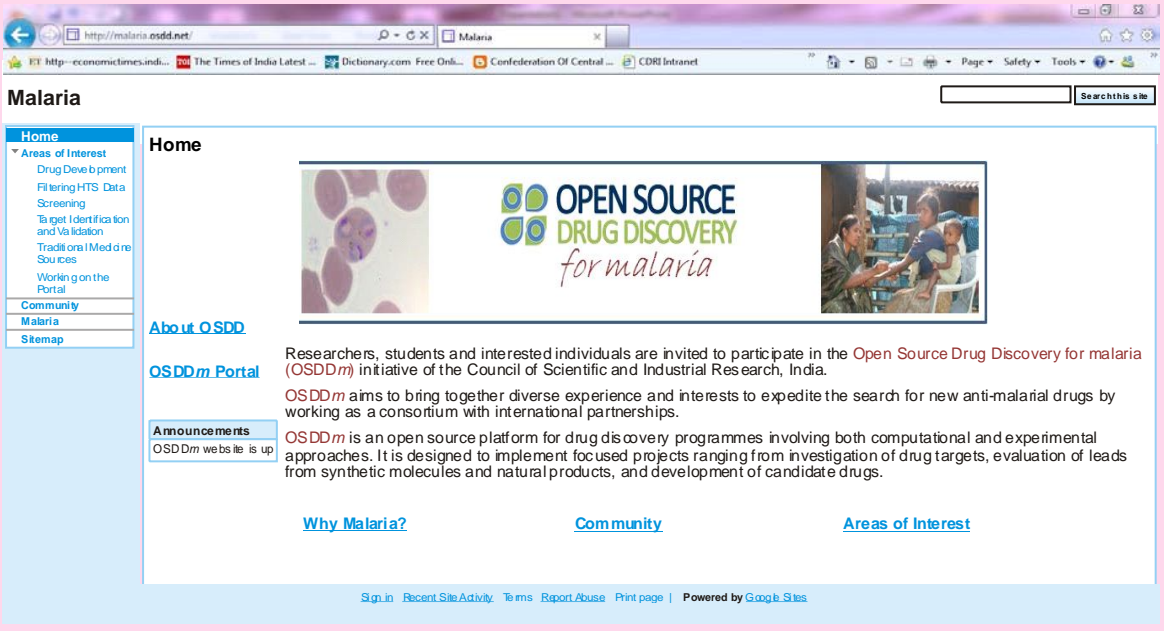
अन्तर्राष्ट्रीय एजेंसियाँ

परियोजना का उद्देश्य:

- बायोइन्फार्मेटिक्स और सिस्टम अप्रोचेज का प्रयोग करके रास्ते और नवीन लक्ष्यों को चिन्हित करना
- कम्पाउंड्स के रसायनिक संश्लेषण, लीड आप्टिमाइजेशन और आंकड़ों का क्रॉस वैलिडेशन
- पात्रे और जीवे जांच पद्धतियों की स्थापना और वैधीकरण। औषधि गति और औषधि-औषधि का पारस्परिक अन्योन्याश्रित होना
- पारंपरिक रूप से प्रयोग होने वाले पौधों से मलेरियारोधी कम्पाउंड की खोज

औषधि विकास के अन्तर्गत विषालुता, रूपरेखा औषधि प्रभाव गति, बंदरो में मूल्यांकन (पी साइनोमोलजी) कैंडीडेट ड्रग्स का प्रथम चरण का प्रारंभिक प्रभावोत्पादकता अध्ययन

विस्तृत विवरण के लिये लॉग ऑन करें <http://malaria.osdd.net>



Malaria

Home

Areas of Interest

- Drug Development
- Filtering HTS Data
- Screening
- Target Identification and Validation
- Traditional Medicines Sources
- Working on the Portal

Community

- Malaria
- Sitemap

Home

OPEN SOURCE DRUG DISCOVERY for malaria

About OSDD

OSDDm Portal

OSDDm aims to bring together diverse experience and interests to expedite the search for new anti-malarial drugs by working as a consortium with international partnerships.

OSDDm is an open source platform for drug discovery programmes involving both computational and experimental approaches. It is designed to implement focused projects ranging from investigation of drug targets, evaluation of leads from synthetic molecules and natural products, and development of candidate drugs.

[Why Malaria?](#) [Community](#) [Areas of Interest](#)

Sign in Recent Site Activity Terms Report Abuse Print page | Powered by Google Sites



कुछ महत्वपूर्ण प्रकाशन

(अप्रैल से सितम्बर, 2011)

| क्र. सं. | लेखक | शीर्षक | जर्नल | इम्पैक्ट फैक्टर |
|----------|---|---|---|-----------------|
| 1. | जे.एस. श्रीवास्तव | कॉस्ट इज ऑलवेज एन एथिकल इश्यु इन डेवलपिंग कंट्रीज, | ब्रिटिश मेडिकल जर्नल (रेपिड कम्युनिकेशन) 2011;342: डीओआई10.1136/बीएमजे. डी2813 | 13.471 |
| 2. | आर. सक्सेना एण्ड ए. द्विवेदी | ErbB फैमिली रिसेप्टर इनहिबिटर्स एंज थैरप्यूटिक एजेन्ट्स इन ब्रेस्ट कैंसर: करेन्ट स्टेटस एण्ड फ्यूचर क्लीनिकल पर्सपेक्टिव, | मेडिसिनल रिसर्च रिव्यूज 25 अक्टूबर, 2010 | 10.228 |
| 3. | राजेन्द्र एस., ऐवरी के., अग्रवाल ए. | एपिजेनेटिक्स, स्पर्मटोजेनेसिस एण्ड मेल इनफर्टिलिटी, | म्यूटेट रिस.-रेव म्यूटेशन 727(3):62-71 | 8.741 |
| 4. | शरन के., मिश्रा जे.एस., स्वर्णकार जी., सिद्दीकी जे. ए., खान के., कुमारी आर., रावत पी., मौर्या आर., सान्याल एस., चट्टोपाध्याय एन., | ए नॉवेल क्वेस्टिन एनालॉग फ्रॉम ए मेडिसिनल प्लाण्ट प्रमोट्स पीक बोन मॉस अचीवमेंट, बोन हीलिंग ऑप्टर इंज्युरी एण्ड एक्जर्ट्स एनाबोलिक इफेक्ट ऑन ओस्टियोपोरोटिक बोन : द रोल ऑफ एरिल हाइड्रोकार्बन रिसेप्टर एंज ए मीडिएटर, ऑफ ओस्टियोजेनिक एक्शन | जे बोन मिनर रिस 2011; डीओआई:10.1002/जेबीएमआर.434. | 7.056 |
| 5. | तिवारी आर.एल., सिंह वी., सिंह ए. एण्ड भरथवाल एम.के. | आईएल-1आर-एसोशिएटेड काइनेज-1 मीडिएटर्स प्रोटीन काइनेज सी[डिल्टा] - इंड्यूज्ड आईएल-1[बीटा] प्रोडक्शन इन मोनोसाइट्स | जे. इम्यूनॉल. 2011; 187(5):2632-45 | 5.745 |
| 6. | अतुल कुमार, गरिमा गुप्ता एण्ड सुमन श्रीवास्तव | फंक्शनल आयोनिक लिक्वुड मीडिएटेड सिन्थिसिस (एफआईएलएमएस) ऑफ डिहाइड्रो थायोफीन्ज एण्ड टेक्राइन डेरीवेटिव्स | ग्रीन केमिस्ट्री, 2011; डीओआई:10.1039/सी1जीसी15410ए | 5.472 |
| 7. | अतुल कुमार एण्ड सिद्धार्थ शर्मा | ए ग्राइनडिंग-इंड्यूज्ड केटेलिस्ट एण्ड सॉल्वेंट-फ्री सिन्थिसिस ऑफ हाईली फंक्शनल आईज्ड 1,4-डाइहाइड्रो-पाइरिडीन्स वाया ए डोमिनो मल्टीकोम्पोनेंट रिएक्शन | ग्रीन केमिस्ट्री 2011, 13, 2017 | 5.472 |
| 8. | वर्मा आर., मलिक सी., आजमी एस., श्रीवास्तव एस., घोष एस. एण्ड घोष जे. के. | ए सिन्थेटिक एस6 सेगमेंट डिशाइज्ड फ्रॉम KvAP चैनल सेल्फ-असेम्बल्स, परमिबिलाइजेज लिपिड वेसिकल्स एण्ड ऐक्जिबिट्स ऑयन चैनल ऐक्टिविटी इन बाइलेयर लिपिड मेम्ब्रेन | जे. बायोल. केम. 286(28):24828-41 | 5.328 |
| 9. | मण्डाडपु ए.के., शर्मा एस.के., गुप्ता एस., कृष्णा डी.जी. एण्ड कुण्डू बी. | अनप्रिसिडेन्टेड Cu-कैटलाइज्ड कपलिंग ऑफ इन्टरनल 1,3-डाइन्स विथ एजाइड्स : वन-पॉट टैनडम साइक्लाइजेशन इनवॉल्विंग 1,3-डायपोलर साइक्लोरेडिशन एण्ड कार्बासाइक्लाइजेशन फर्निशिंग नैफथॉट्राइऐजोल्स | आर्गेनिक लेटर्स 2011; 13(12), 3162-5 | 5.250 |
| 10. | नन्द लाल, ललित कुमार, अमित सारस्वत, संतोष जांगीर एण्ड विष्णु लाल शर्मा | सिन्थिसिस ऑफ एस-(2-थायोक्जो)-1,3-डाइथियोलेन-4-इल)मिथाइल-डाइअल्काइल कार्बाम्थोयोएट एण्ड थाइरेन-2-इल मिथाइल-डाइअल्काइल कार्बाम्थोयोएट वाया इण्टरमॉलीक्युलर ओ-एस रिअरेन्जमेंट इन वाटर, | आर्गेनिक लेटर्स 2011; 13(9), 2330-2333 | 5.250 |

| | | | | |
|-----|--|---|--|-------|
| 11. | सारस्वत ए., कुमार आर., कुमार एल., लाल एन., शर्मा एस., प्रभाकर वाई.एस., पाण्डेय एस.के., लाल जे., वर्मा वी., जैन ए., मैखुरी जे.पी., दलेला डी., कीर्ति, गुप्ता जी. एण्ड शर्मा वी.एल. | ऐरिलपाइपेरेजीन्स फॉर मैनेजमेण्ट ऑफ बिनाइन प्रोस्टैटिक हाइपरप्लाजिया डिजाइन, सिन्थिसिज क्वान्टिटेटिव स्ट्रक्चर-एक्टिविटी रिलेशनशिप्स एण्ड फार्माकोकाइनेटिक्स स्टडीज | tuý vKQ ešMI uy dšeLVh 2011; 54(1): 302–311 | 5.207 |
| 12. | अवनीत कुमार, रिज़वान अहमद, पी.के. सिंह एण्ड पी.के. शुक्ला | आइडेण्टीफिकेशन ऑफ विरुलेन्स फैक्टर्स एण्ड डायग्नॉस्टिक मार्कर्स युजिंग इम्यूनासीक्रेटोम ऑफ ऐस्पैरिलस फ्यूमिगेट्स | tuý vKQ i kV; kNEDI 2011; 74(7):1101–12 | 5.074 |
| 13. | पाण्डेय बी.के., श्रीवास्तव एस., सिंह एम. एण्ड घोष जे.के. | इन्डयूसिंग टॉक्सिसिटी बाइ इन्ट्रोडयूसिंग ए ल्युसिन-जिपरलाइक मोटिफ इन फ्रॉग एण्टीमाइक्रोबियल पेप्टाइड, मैगैनिन 2 | Qk; kde ts 2011; 436(3): 609–20 | 5.016 |
| 14. | सिंह पी.के., श्रीवास्तव ए., सिंह पी., सिंह डी., दलेला डी., गोयल एम., गुप्ता एस., नेगी एम.पी.एस., भट्ट एम. एण्ड रथ एस. | क्लीनिकल यूटिलिटी ऑफ सरवाइविन जीन एक्सप्रेशन इन पेशेन्स विथ ट्रांजिशनल सेल कार्सिनोमा ऑफ द यूरिनरी ब्लैडर | ;jks ts dš j 2011 ;(कांफ्रेंस प्रोसिडिंग) सप्लीमेन्ट्स 9:4 | 4.944 |
| 15. | सिंह पी.के., श्रीवास्तव ए., सिंह डी., दलेला डी., गोयल एम., गुप्ता एस., नेगी एम.पी.एस., भट्ट एम. एण्ड रथ एस. | डायग्नॉस्टिक एण्ड प्रॉग्नॉस्टिक पोटेन्शियल ऑफ Ck20 जीन एक्सप्रेशन इन पेशेन्स विथ ट्रांजिशनल-सेल कार्सिनोमा ऑफ द यूरिनरी ब्लैडर | ;jks ts dš j 2011; (कांफ्रेंस प्रोसिडिंग) सप्लीमेन्ट्स 9:14 | 4.944 |
| 16. | स्वर्णकार जी., शरन के., सिद्दीकी जे.ए., मिश्रा जे.एस., खान के., खान एम.पी., गुप्ता वी., रावत पी., मौर्या आर., द्विवेदी ए.के., सान्याल एस. एण्ड चट्टोपाध्याय | आइडेण्टीफिकेशन ऑफ ए रेअर नारिनजेनिन एनालॉग फ्रॉम ए मेडिसनल प्लांट हैविंग पोटेन्ट बोन एनाबोलिक इफेक्ट बाय एक्टिंग एज एन ओस्टियोब्लास्ट ओइस्ट्रोजन मिमिक | fcfV'k ts QkekškykV 2011; डीओआई:10.1111 / जे. 1476–5381.2011.01637.एक्स. | 4.925 |
| 17. | जैक्सन के.ई., हबीब एस., फ्रगियर एम., होयन आर., खान एस., फेम जे., डि पॉपलाना एल.आर., रोयो एम., सैन्टोज़ एम.ए.एस., शर्मा ए. एण्ड रात्क एस.ए. | प्रोटीन ट्रांसलेशन इन प्लाज़मोडियम पैरासाइट्स | VšMI bu iškI VkyWth 2011; डीओआई:10.1016 / जे. पीटी.201105.005 | 4.906 |
| 18. | द्विवेदी एस.के., सिंह एन., कुमारी आर., मिश्रा जे. एस., त्रिपाठी एस., बेनर्जी पी., शाह पी., कुशल वी., त्यागी ए.एम., गायकवाड़ ए.एन., चतुर्वेदी आर.के., मिश्रा डी.पी., त्रिवेदी ए.के., सान्याल एस., चट्टोपाध्याय एन., रामचन्द्रन आर., सिद्दीकी एम.आई., बंधोपाध्याय ए., अरोरा ए., ल्युन्डैसेन टी., अनाक एस.पी., मूरी डी.डी. एण्ड सान्याल एस. | वाइल एसिड रिसेप्टर एगोनिस्ट जीडब्ल्यू 4064 रेगुलेटर्स पीपीएआर [गामा] कोएक्टिवेटर-1 [अल्फा] एक्सप्रेशन थ्रू एस्ट्रोजन रिसेप्टर-रिलेटेड रिसेप्टर [अल्फा] | eky- ,UMkšbuky- 2011; 25(6): 922–32 | 4.889 |
| 19. | राजेन्द्र एस., फ्रांसिस ए., पूजा एस., कृपाकार एन., सुरेखा डी., रेड्डी जी., राव डी.आर., राव एल., रामचन्द्रा एस., विष्णुप्रिया एस., रामलिंगम के., सत्यमूर्ति के., थंगराज के. | सीएजी (CAG) रिपीट लेन्थ पॉलीमॉर्फिज़म इन द ऐनड्रोजेन रिसेप्टर जीन एण्ड ब्रेस्ट कैंसर रिस्क : डेटा ऑन इण्डियन विमेन एण्ड सर्वे फ्रॉम द वर्ल्ड | cšV dš j fji pšVhV 2011; 127(3) : 751–60 | 4.859 |
| 20. | त्यागी ए.एम., श्रीवास्तव के., कुरील जे., कुमार ए., रघुवंशी ए., यादव डी., मौर्या आर., गोयल ए. एण्ड सिंह डी. | प्रीमैच्योर टी सेल इन ओवीएक्स माइस इज इन्हिबिटेड बाई रिप्लीशन ऑफ एस्ट्रोजन एण्ड मेडीकार्पिन : ए पॉसिबल मेकैनिज़म फॉर ऐलिविएटिंग बोन लॉस | všLV; ki kšI I] b. V- 2011 मई 12 [ईपबि. अहेड ऑफ प्रिन्ट] | 4.859 |
| 21. | पाल पी., कनौजिया जे.के., लोचब एस., त्रिपाठी एस.बी., भट्ट एम.एल., सिंह पी. के., सान्याल एस. एण्ड त्रिवेदी ए.के. | 2-डी ज़ेल इलेक्ट्रोफोरेसिस बेस्ड प्रोटियामिक एनालिसिस रिवील्स दैट ऑरमेलाक्जीफीन इन्डयूसेज जी0-जी1 ग्रोथ अरेस्ट एण्ड ईआरके मैडिएटेड एपॉप्टॉसिस इन क्रोनिक मायलॉइड ल्यूकीमिया सेल्स के562 | i kV; kNEDI 2011; 11(8), 1517–1529 | 4.815 |



पेटेण्ट्स

(अप्रैल से सितम्बर, 2011)

विदेशों में स्वीकृत पेटेण्ट्स

| | | | |
|-----------------------------|--|---------------------------|------------|
| 1. यूएस पेटेन्ट नं. | 7959954 | स्वीकृत किये जाने की तिथि | 14.07.2011 |
| शीर्षक | ज़ाइलोकारपस ग्रेनेटम, मँग्रोव पौधे के फलों से ऐन्टीडायबिटिक और ऐन्टीहाइपरलिपिडेमिक अंश के पृथक्करण की प्रक्रिया। | | |
| अन्वेषक | विजय लक्ष्मी, अजित सक्सेना, राजेश कुमार, राघवेन्द्र पाल, सत्यवान सिंह, अरविन्द कुमार श्रीवास्तव, प्रीति तिवारी, दीपक रैना, अनिल कुमार रस्तोगी, सुधीर श्रीवास्तव, रमेश चन्द्रा, अंजू पुरी और राम रघुबीर | | |
| सहायक सदस्य | हृदय राम मिश्रा, सुरेश चन्द्रा, नवीन प्रकाश मिश्रा, मुकेश श्रीवास्तव, टीका राम, आर.आर. गुप्ता | | |
| 2. साउथ अफ्रीका पेटेन्ट नं. | 2010/04272 | स्वीकृत किये जाने की तिथि | 30.03.2011 |
| शीर्षक | ट्रांस-3,4-डायरिल क्रोमान की निर्मिति हेतु बेहतर प्रक्रिया। | | |
| अन्वेषक | देवी प्रसाद साहू | | |
| सहायक सदस्य | आत्मा प्रसाद द्विवेदी | | |

भारत में स्वीकृत पेटेण्ट्स

| | | | |
|----------------|---|---------------------------|------------|
| 1. पेटेण्ट नं. | 247797 | स्वीकृत किये जाने की तिथि | 20.05.2011 |
| शीर्षक | ऐन्टी हाइपर ग्लाइसेमिक और ऐण्टी डिस्लिपिडमिक एजेन्ट्स के रूप में आक्सीसब्सटीट्यूटेड। | | |
| अन्वेषक | राम प्रताप, मावुरपु सत्यनारायणन, चण्डीश्वर नाथ, राम रघुबीर, अंजू पुरी, रमेश चन्द्र, प्रीति तिवारी, बृजेन्द्र कुमार त्रिपाठी तथा अरविन्द कुमार श्रीवास्तव। | | |

विदेशों में आवेदित पेटेण्ट्स

| | | | |
|------------------------|--|-------------|------------|
| 1. चायनीज़ पेटेण्ट नं. | 200980152325.9 | आवेदित तिथि | 23.06.2011 |
| शीर्षक | अस्थि संबंधी विकृतियों से बचाव एवं उपचार हेतु सब्सटीट्यूटेड बेन्ज़फ्यूरोक्रोमीन्स और संबंधित कम्पाउण्ड्स। | | |
| अन्वेषक | अतुल गोयल, अमित कुमार, सुमित चौरसिया, दिव्या सिंह, अवनीश कुमार गौतम, रश्मि पाण्डे, रितु त्रिवेदी, मनमोहन सिंह, नैवेद्य चट्टोपाध्याय, लक्ष्मी मनिक्कवसगम, गिरीश कुमार जैन और अनिल कुमार द्विवेदी। | | |
| सहायक सदस्य | अब्दुल मलिक और अविनाश कुमार | | |
| 2. कोरियन पेटेण्ट नं. | 10-2011-7012523 | आवेदित तिथि | 31.05.2011 |
| शीर्षक | अस्थि संबंधी विकृतियों से बचाव एवं उपचार के लिये सब्सटीट्यूटेड बेन्ज़फ्यूरोक्रोमीन्स और संबंधित कम्पाउण्ड्स। | | |
| अन्वेषक | अतुल गोयल, अमित कुमार, सुमित चौरसिया, दिव्या सिंह, अवनीश कुमार गौतम, रश्मि पाण्डे, ऋतु त्रिवेदी, मनमोहन सिंह, नैवेद्य चट्टोपाध्याय, लक्ष्मी मनिक्कवसगम, गिरीश कुमार जैन तथा अनिल कुमार द्विवेदी। | | |
| सहायक सदस्य | अब्दुल मलिक एवं अवनीश कुमार। | | |